

जीडीपी हुई धड़ाम

जीडीपी यानी ग्रॉस डेमोस्टिक प्रॉडक्ट यानी सकल घरेलू उत्पाद का मतलब है किसी भी देश की आर्थिक विकास दर। चातुर वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के लिए भारत की जीडीपी धटकर 5.4 प्रतिशत रह गई है, जो इसका दो साल का निचला स्तर है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 8.1 प्रतिशत और इस साल अप्रैल-जून तिमाही के 6.7 प्रतिशत थी। 17 अर्थशास्त्रियों ने इस अवधि के लिए 6.5 प्रतिशत की औसत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान लगाया था। इसमें शहरी मानों में कमी, सरकारी खर्चों में कमी और खनन और विज्ञली क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण व्यवसाय को शामिल किया गया था। एक सर्वेक्षण में भी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 7 प्रतिशत का मतलब है। अनुमान से कम, 6.5 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया गया था। अर्थशास्त्रियों के अनुमान से भी कम जीडीपी का मतलब है? बवा महंगाई की वजह से लोगों में वस्तुओं की खपत हुई है? बवा अमदनी कम होना वजह है? अम आदमी महंगाई और कम आमदनी से जूझ रहा है। अम आदमी वहले खाने-पीने को देखे या दूसरी वस्तुओं को रख करे, यह उसके सामने बड़ी दुश्यता बन गई है। उधर, रुपया लगाता कामजोर हो रहा है और देशी मुद्रा भंडर में भी कमी आई है।

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि बढ़ती खाद्य मुद्रापूर्ति, उच्च उधरों लागत और स्थिर वास्तविक बेतन वृद्धि शामिल जीडीपी के गिरने के कारक है। ये वही कारक हैं, जिसने सांस्कृतिक रूप से शहरी खपत को कम कर दिया है—जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 60 प्रतिशत का योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक है। खुदरा खाद्य मुद्रापूर्ति अक्षूबर 10.87 प्रतिशत हो गई, जिससे आम आदमी की क्रय शक्ति में कमी आई है। सिफक अम आदमी की ही अमदनी नहीं घटी है, कारपोरेट अमदनी में भी प्रतिक्रिया दिखाई रही है। प्रमुख भारतीय फर्मों ने जुलाई-सितंबर की अवधि के लिए चार वर्षों में अपने सबसे कमजोर तिमाही प्रदर्शन की रिपोर्ट की है। इस मंदी ने निवेश और व्यापार विस्तार योजनाओं में संभावित मंदी को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, आरबीआई ने नेव वर्ष 2024-25 के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का पूर्वानुमान 7.2 प्रतिशत पर बनाया रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के 8.2 प्रतिशत से कम है। जब तक आम आदमी की क्रय शक्ति नहीं बढ़ेगी, जीडीपी का उठान मुश्किल है।

पाठकवाणी

तथ्यहीन आरोप और कांग्रेस का अस्थिर भविष्य

अडानी प्रकरण पर कांग्रेस की व्यग्रता और विपक्षी एकत्री की उनकी दावेदारी दोनों ही एक राजनीतिक प्रहसन प्रतीत होती है। कांग्रेस बिना वजह के आरोप लगाती रही है। बिना दोस फ्रांसीस और निष्पक्ष जाच के दोषी ठहराने की जल्दाजी उनकी राजनीति से अधिक व्यक्तिगत एंजेंड का परिचय लगती है। ममता बन्जी की स्पष्ट टिप्पणी कांग्रेस के लिए एक गंभीर वोजानी है कि उसे अपने तौर-तरीकों में बदलाव कर संयोगियों का विश्वास अनियंत्रित करना होगा। उन्होंने रप्त करिया है कि उनकी राजनीतिक कांग्रेस-केंद्रित नहीं होगी। शेयर बाजार में विवरणों की बढ़ती वृद्धि और अडानी के शेयरों की मजबूती कांग्रेस के आरोपों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है, मानो कह रही हो, आप बोलते रहिए, हम आगे बढ़ते रहेंगे। कांग्रेस अपनी अस्तित्व रक्षा की इस लडाई में उत्तरालपन और अपरिपक्व रणनीतियों का सहारा ले रही है। इसके परिणामस्वरूप उनका विरोध मात्र एक हल्की आवाज बनकर रह गया है, जो जनता के बीच गंभीरता से अधिक हास्य का विषय बनता जा रहा है। अम राजनीति में इस जल्दाजी की हड्डीकर ठोस तथ्यों पर काम किया जाए, तो शायद विपक्ष की साख और मजबूत हो। वरना यह 'चीनी कम, शोर ज्यादा' वाली रियत बनी रहेगी।

-आरके जैन 'अरिजीत', बड़वानी

कुछ खास



पता नहीं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री विदेश जाकर बहक वर्षों जाते हैं? फले शिवराज विदेश गए, तो मध्य प्रदेश की सड़कों को अमेरिका के बिक्री बढ़ती जा रही है।

-जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष



‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय



‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के होगी।’

-अशोक कुमार पांडेय

आज का ट्वीट

‘सारी दुनिया को ज्ञान देने वाले इण्डोसिस वाले नारायणमूर्ति पर 34 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा रहा है। इसकी वसूली

कर्मचारियों से सोलह घंटे काम करवा के ह

